

2.5.18

पत्रावली का 10 कार्य कार्ड नारायण में प्रेषित हुई। कावेदक
 सर्वेक्षण संस्था। जो 3 स्वयं उपासना प्रकार से संबंधित
 वाद का शरीराना के अनुसार निरंतरण हो चुका है
 इसलिये T। का कोई औचित्य नहीं रह गया है
 प्र. प्रग डा. स्याई विधेवाहा इसी स्तर पर स्वारिष
 कि या जाना है पत्रावली के काम शुरू होकर 10
 को काम हो तथा दारिद्र्य दफ्तार हो।

10
 अ...